

17695

हिन्दी में आधार पाठ्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून, 2010

पाठ्यक्रम-कोड : बी.एच.डी.एफ.-101/एफ.एच.डी.-1

समय : 2 घण्टे

अधिकतम अंक : 50

नोट : इस प्रश्न पत्र में तीन खण्ड हैं। खण्ड 'क' सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य है। खण्ड 'ख' और 'ग' में से किसी एक में से उत्तर देना है। एफ.एच.डी.-1 के विद्यार्थी खण्ड 'ख' और बी.एच.डी.एफ.-101 के विद्यार्थी खण्ड 'ग' के प्रश्नों का उत्तर दें।

खण्ड - क

1. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्याय लिखिए : 5
अतिथि, ईश्वर, धन, सिंह, स्त्री
2. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ स्पष्ट करते हुए उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए : 5
(a) कलाई खुलना
(b) दाल न गलना
3. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए। 5
सत्यार्थी, सूक्ति, यद्यपि, अन्वय, नयन

4. निम्नलिखित में से **किसी एक** विषय पर लगभग 300 शब्दों में 10
निबंध लिखिए :

- (a) मेरा मनपसंद टीवी सीरियल
- (b) क्रिकेट का खेल
- (c) आतंकवाद
- (d) भारत के त्योहार

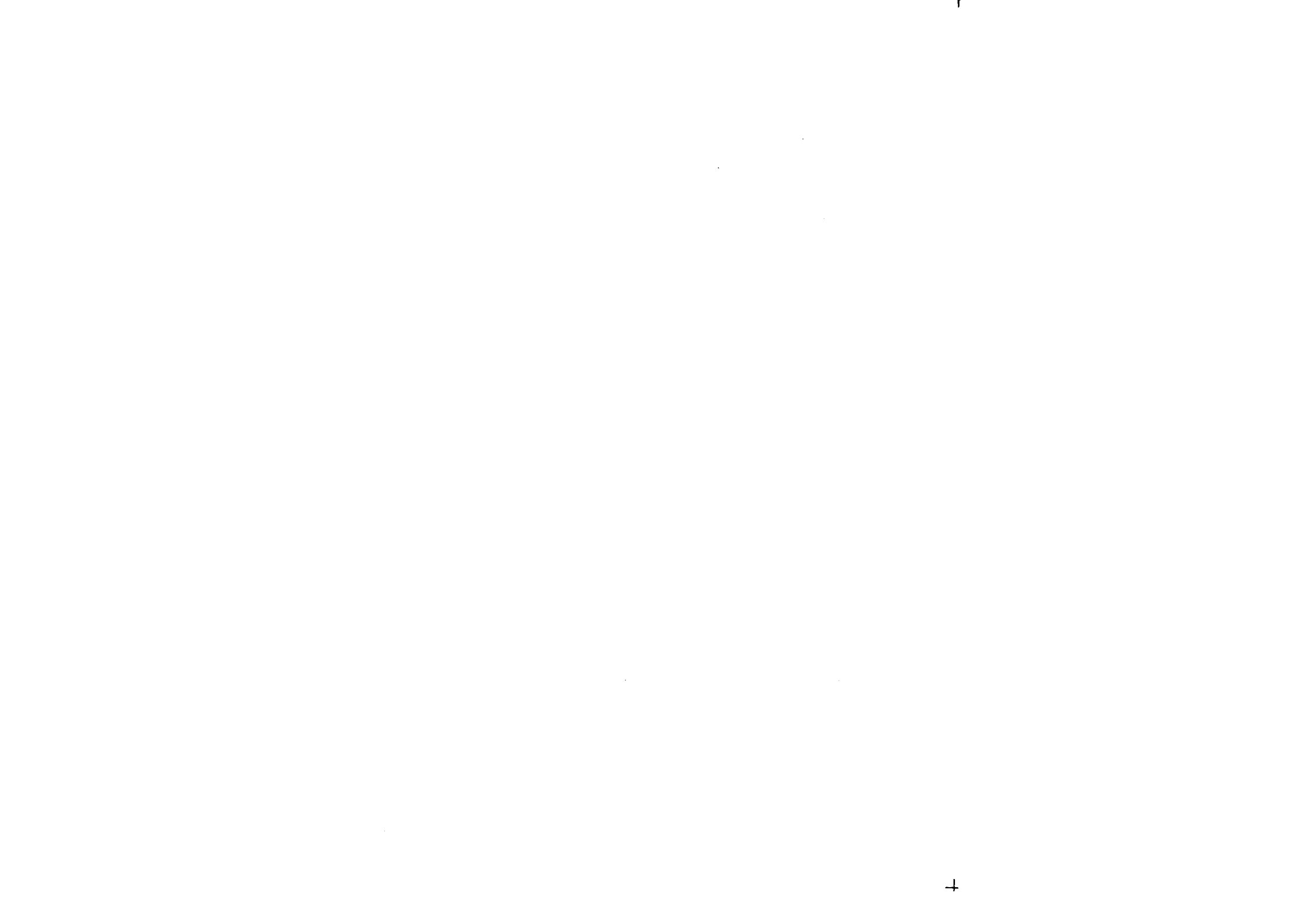
5. डाक विभाग की लापरवाही के कारण समय पर पत्र न मिल 5
पाने और साक्षात्कार में समय से न पहुँच पाने की शिकायत और
आवश्यक कार्यवाही की माँग करते हुए डाकपाल को पत्र लिखिए।

6. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और इसके आधार पर नीचे दिए 5
गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

“शरीर को स्वस्थ या निरोग रखने में व्यायाम का कितना महत्व है, इस विषय पर कुछ कहने की आवश्यकता नहीं है। आज की भाग-दौड़ से भरी जिंदगी ने मनुष्य को इतना व्यस्त कर दिया है कि वह यह भी भूल गया है कि इस सारी भाग-दौड़ का वह तभी तक हिस्सेदार है जब तक उसका शरीर स्वस्थ है। जो व्यक्ति अपने शरीर की उपेक्षा करता है, वह अपने लिए रोग, बुढ़ापे तथा मृत्यु का दरवाजा खोलता है। वैसे तो अच्छे स्वास्थ्य के लिए संतुलित भोजन, स्वच्छ जल तथा शुद्ध वायु, संयम तथा नियमित

जीवन सभी कुछ आवश्यक है किंतु इन सबमें व्यायाम का अपना विशेष महत्व है। नियमित व्यायाम करने वाले व्यक्ति में ऐसी अद्भुत शक्ति आ जाती है कि अपने सारे शरीर पर उसका अधिकार हो जाता है।

- (a) आज व्यक्ति क्या भूल गया है?
- (b) व्यायाम का क्या महत्व है?
- (c) अच्छे स्वास्थ्य के लिए व्यक्ति को किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?
- (d) शरीर की उपेक्षा करने का क्या दुष्परिणाम होता है?
- (e) उपर्युक्त अनुच्छेद का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।



खण्ड - ख

इस खण्ड में शामिल प्रश्नों का उत्तर केवल एफ.एच.डी.-1 के विद्यार्थी दें।

7. निम्नलिखित में से **किसी एक** का आशय लगभग 200 शब्दों में स्पष्ट कीजिए। 5
- (a) वह तोड़ती पत्थर।
देखा उसे मैंने इलाहाबाद के पथ पर
वह तोड़ती पत्थर।
कोई न छायादार
पेड़ वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार
श्याम तन, भर बँधा यौवन,
नत नयन, प्रिय कर्म रत मन।
- (b) मुन्नी कहती है कि कड़ी मेहनत के बाद भी सारी उपज कर्ज चुकाने में चली जाती है। पेट भरने के लिए मज़दूरी करनी पड़ती है, तब खेती से चिपके रहने का क्या लाभ।
8. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 - 200 शब्दों में दीजिए : 5x2=10
- (a) 'मानस का हंस' की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।
(b) 'चंद्रगुप्त' नाटक का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।
(c) 'क्रोध' शीर्षक निबंध के प्रमुख बिंदुओं का उल्लेख कीजिए।
(d) मैथिलीशरण गुप्त की काव्यगत विशेषताओं का परिचय दीजिए।

9. निम्नलिखित में से **किसी एक** का आशय लगभग 200 शब्दों में लिखिए। 5
- (a) “कीटाणु...जर्म्स... हमारी. नस-नस में फैल जाते हैं और रात-दिन दुगुने, चौगुने, सौगुने होते जाते हैं। इनसे आदमी की महत्वाकांक्षा मर जाती है, कार्य शक्ति जवाब दे जाती है, किसी भी चीज को लेकर ‘न’ कह सकने का साहस उसमें नहीं रह जाता। वह केवल दूसरों का मुँह ताकने और हाँ-हाँ करने की एक मशीन में बदल जाता है जिसका सारा ध्यान निम्नस्तर की कुछ आवश्यकताओं को छोड़कर और किसी चीज पर नहीं टिक पाता।”
- (b) “मैं नीर भरी दुख की बदली।
स्पंदन में चिर निस्पंद बसा,
क्रंदन में आहत विश्व हँसा,
नयनों में दीपक से जलते,
पलकों में निर्झरिणी मचली।”
10. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 - 200 शब्दों में दीजिए। 5x2=10
- (a) ‘पूस की रात’ कहानी के प्रतिपाद्य पर विचार कीजिए।
- (b) ‘वैष्णव की फिसलन’ की व्यंग्यात्मक शैली संबंधी विशेषताएँ बताइए।
- (c) ‘जूठन’ आत्मकथा में चित्रित यथार्थ की चर्चा कीजिए।
- (d) ‘जीने की कला’ निबंध में स्त्री-समस्या का यथार्थ चित्रण किया गया है - इस कथन की सोदाहरण व्याख्या करें।